FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

FOR

ACHARYA (MASTER'S) in Different Streams

1. **SAHITACHARYA** **(Semester I–IV)**
2. **VYAKARANACHARYA** **(Semester I–IV)**
3. **DARSHANACHARYA** **(Semester I–IV)**
4. **VEDACHARYA** **(Semester I–IV)**

EXAMINATION: 2019-20

GURU NANAK DEV UNIVERSITY AMRITSAR

Note: (i) **Copy rights are reserved.**
Nobody is allowed to print it in any form.
Defaulters will be prosecuted.

(ii) **Subject to change in the syllabi at any time.**
Please visit the University website time to time.

ACHARYA (SAHITACHARYA, VYAKARANACHARYA, DARSHANACHARYA, VEDACHARYA) (MASTER'S)

आचार्य पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम
संस्कृत में आचार्य (साहित्याचार्य)

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

SEMESTER–I

प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल 100 अंक हैं। समय 3 घण्टे हैं।

प्रथम प्रष्नपत्र	:	गद्यकाव्य
द्वितीय प्रष्नपत्र	:	नाटक
तृतीय प्रष्नपत्र	:	काव्यषास्त्र
चतुर्थ प्रष्नपत्र	:	संस्कृत कवि का विषेष अध्ययन Option-A: महाकवि कालिदास Option-B: महाकवि अष्वघोष

SEMESTER–II

प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल 100 अंक हैं। समय 3 घण्टे हैं।

प्रथम प्रष्नपत्र	:	चम्पूकाव्य
द्वितीय प्रष्नपत्र	:	नाट्यषास्त्र
तृतीय प्रष्नपत्र	:	काव्यषास्त्र
चतुर्थ प्रष्नपत्र	:	संस्कृत कवि का विषेष अध्ययन Option-A: महाकवि कालिदास Option-B: महाकवि अष्वघोष

SEMESTER–III

प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल 100 अंक हैं। समय 3 घण्टे हैं।

प्रथम प्रष्नपत्र	:	रस सिद्धान्त
द्वितीय प्रष्नपत्र	:	वक्रोक्ति तथा औचित्य सिद्धान्त
तृतीय प्रष्नपत्र	:	नाट्य सिद्धान्त
चतुर्थ प्रष्नपत्र	:	भवभूति विषेष अध्ययन

SEMESTER–IV

प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल 100 अंक हैं। समय 3 घण्टे हैं।

प्रथम प्रष्नपत्र	:	ध्वनि सिद्धान्त
द्वितीय प्रष्नपत्र	:	रीति सिद्धान्त
तृतीय प्रष्नपत्र	:	अलंकार शास्त्र
चतुर्थ प्रष्नपत्र	:	शतक साहित्य

साहित्याचार्य – समैस्टर - I
प्रथम प्रश्नपत्र : गद्य काव्य
(Gadya Kavya)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A षिवराजविजय (अम्बिकादत्त व्यास) चतुर्थ निष्वास – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–B षिवराजविजय (अम्बिकादत्त व्यास) पंचम निष्वास – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–C षिवराजविजय चतुर्थ पंचम निष्वास पर आधारित प्रष्न
SECTION–D शुकनासोपदेष (कादम्बरी, बाणभट्ट)

SECTION–A

Question–I	दो सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question–II	दो सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक

SECTION–B

Question–III	दो सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question–IV	दो सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक

SECTION–C

Question–V	एक प्रष्न का उत्तर	= 20 अंक
Question–VI	एक प्रष्न का उत्तर	= 20 अंक

SECTION–D

Question–VII	शुकनासोपदेष से दो सन्दर्भों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VIII	शुकनासोपदेष पर आधारित एक प्रष्न का उत्तर	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. षिवराजविजय – अम्बिकादत्तव्यास – व्यासपुस्तकालय, काषी, 1977.
2. शुकनासोपदेष (कादम्बरी, बाणभट्ट) – व्या॰ कृष्णमोहनषास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाषन, वाराणसी,1986.

साहित्याचार्य – समैस्टर - I
द्वितीय प्रश्नपत्रः नाटक
(Natak)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A वेणीसंहार नाटक (भट्टनारायण) – श्लोक व्याख्या
SECTION–B वेणीसंहार नाटक (भट्टनारायण) – श्लोक व्याख्या
SECTION–C वेणीसंहार नाटक (भट्टनारायण) – श्लोक व्याख्या
SECTION–D वेणीसंहार पर आधारित प्रष्न – (विषय वस्तु, चरित्र चित्रण, नायक आदि प्रष्न)

	SECTION–A	
Question–I	दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–B	
Question–III	दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–C	
Question–V	दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–D	
Question–VII	एक प्रष्न का उत्तर	= 20 अंक
Question–VIII	एक प्रष्न का उत्तर	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. वेणीसंहार नाटक (भट्टनारायण) – व्या॰ षिवराजविजय शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ, 1979.

साहित्याचार्य – समैस्टर - I
तृतीय प्रश्नपत्र : काव्यशास्त्र
(Kavya Shastra)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A काव्यमीमांसा (राजषेखर) एक से पांच अध्याय – अवतरण व्याख्या
SECTION–B काव्यमीमांसा (राजषेखर) एक से पांच अध्याय – अवतरण व्याख्या
SECTION–C काव्यमीमांसा (राजषेखर) एक से पांच अध्याय – अवतरण व्याख्या
SECTION–D काव्यमीमांसा (एक से पांच अध्याय) पर आधारित प्रष्न

SECTION–A

Question–I	दो अवतरण देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question–II	दो अवतरण देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक

SECTION–B

Question–III	दो अवतरण देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question–IV	दो अवतरण देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक

SECTION–C

Question–V	दो अवतरण देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question–VI	दो अवतरण देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक

SECTION–D

Question–VII	एक प्रष्न का उत्तर	= 20 अंक
Question–VIII	एक प्रष्न का उत्तर	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. काव्यमीमांसा (राजषेखर) – व्या॰ डॉ॰ कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाषन, वाराणसी।

ACHARYA (SAHITACHARYA, VYAKARANACHARYA, DARSHANACHARYA, VEDACHARYA) (MASTER'S)

साहित्याचार्य – समैस्टर - I

चतुर्थ प्रश्नपत्र : संस्कृत कवि का विशेष अध्ययन

(Sanskrit Kavi Ka Vishesh Adhyayan)

Option-A : महाकवि कालिदास

(Mahakavi Kalidas)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A रघुवंष महाकाव्य (कालिदास) – श्लोक व्याख्या
SECTION–B रघुवंष महाकाव्य (कालिदास) – श्लोक व्याख्या
SECTION–C रघुवंष महाकाव्य (कालिदास) – सूक्ति व्याख्या तथा प्रष्न
SECTION–D रघुवंष महाकाव्य तथा महाकवि कालिदास पर आधारित प्रष्न

SECTION–A

Question–I	दो श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question–II	दो श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक

SECTION–B

Question–III	दो श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question–IV	दो श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक

SECTION–C

Question–V	2 सूक्तिओं की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	रघुवंष पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक

SECTION–D

Question–VII	रघुवंष पर आधारित एक प्रष्न का उत्तर	= 20 अंक
Question–VIII	महाकवि कालिदास पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. रघुवंष (कालिदास) – व्या॰ डॉ॰ कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाषन, वाराणसी, 1983.

साहित्याचार्य – समैस्टर - I

चतुर्थ प्रश्नपत्र : संस्कृत कवि का विशेष अध्ययन
(Sanskrit Kavi Ka Vishesh Adhyayan)

Option-B: महाकवि अश्वघोष
(Mahakavi Ashva Ghosh)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A बुद्धचरित (अष्वघोष) – श्लोक व्याख्या
SECTION–B बुद्धचरित (अष्वघोष) – श्लोक व्याख्या
SECTION–C बुद्धचरित (अष्वघोष) – सूक्ति व्याख्या तथा प्रष्न
SECTION–D बुद्धचरित तथा महाकवि अष्वघोष पर आधारित प्रष्न

SECTION–A

Question–I	दो श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या।	= 20 अंक
Question–II	दो श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या।	= 20 अंक

SECTION–B

Question–III	दो श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या।	= 20 अंक
Question–IV	दो श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या।	= 20 अंक

SECTION–C

Question–V	2 सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	बुद्धचरित पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक

SECTION–D

Question–VII	बुद्धचरित पर आधारित एक प्रष्न का उत्तर	= 20 अंक
Question–VIII	अष्वघोष पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. बुद्धचरित (अष्वघोष) – व्या॰ रामचन्द्रदास शास्त्री, चौखम्बा विद्या प्रकाषन, वाराणसी, 1984.

ACHARYA (SAHITACHARYA, VYAKARANACHARYA, DARSHANACHARYA, VEDACHARYA) (MASTER'S)

साहित्याचार्य – समैस्टर - II
प्रथम प्रश्नपत्र : चम्पू काव्य
(Champu Kavya)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A नलचम्पू (त्रिविक्रम भट्ट) प्रथम उच्छ्वास – श्लोक, गद्यांष व्याख्या
SECTION–B नलचम्पू (त्रिविक्रम भट्ट) द्वितीय उच्छ्वास – श्लोक, गद्यांष व्याख्या
SECTION–C रामायणचम्पू (भोजराज) बालकाण्ड – श्लोक, गद्यांष व्याख्या
SECTION–D नलचम्पू प्रथम द्वितीय उच्छ्वास तथा रामायण चम्पू बालकाण्ड पर आधारित प्रष्न

SECTION–A

Question–I नलचम्पू प्रथम उच्छ्वास में से 2 श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाये। = 20 अंक

Question–II नलचम्पू प्रथम उच्छ्वास में से 2 गद्यांष देकर सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाये। = 20 अंक

SECTION–B

Question–III नलचम्पू द्वितीय उच्छ्वास से 2 श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question–IV नलचम्पू द्वितीय उच्छ्वास से 2 गद्यांष देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–C

Question–V रामायणचम्पू बालकाण्ड में से 2 श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाये। = 20 अंक

Question–VI रामायणचम्पू बालकाण्ड में से 2 गद्यांष देकर सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाये। = 20 अंक

SECTION–D

Question–VII रामायणचम्पू बालकाण्ड पर आधारित एक प्रष्न का उत्तर = 20 अंक

Question–VIII नलचम्पू प्रथम द्वितीय निष्वास पर आधारित एक प्रष्न का उत्तर = 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. नलचम्पू – सम्पा॰ श्री राजेन्द्र प्रसाद कोठयारी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाषन, 2012.
2. रामायणचम्पू – सम्पा॰ पं॰ रामनाथ त्रिपाठी शास्त्री, चौखम्बा अमरावती प्रकाषन, वाराणसी, 1979.

साहित्याचार्य – समैस्टर - II
द्वितीय प्रश्नपत्रः नाट्यशास्त्र
(Natyashastra)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A नाट्यशास्त्र (भरतमुनि) प्रथम अध्याय (अभिनव भारती सहित) – कारिका व्याख्या
SECTION–B नाट्यशास्त्र (भरतमुनि) द्वितीय अध्याय (अभिनव भारती सहित) – कारिका व्याख्या
SECTION–C नाट्यशास्त्र (भरतमुनि) प्रथम अध्याय (अभिनव भारती सहित) – कारिका व्याख्या तथा प्रष्न
SECTION–D नाट्यशास्त्र (भरतमुनि) प्रथम द्वितीय अध्याय (अभिनव भारती सहित) पर आधारित प्रष्न

	SECTION–A	
Question–I	2 कारिकाओं की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 कारिकाओं की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–B	
Question–III	2 कारिकाओं की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	2 कारिकाओं की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–C	
Question–V	2 कारिकाओं की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	नाट्यषास्त्र प्रथम अध्याय (अभिनव भारती सहित) पर आधारित एक प्रष्न का उत्तर	= 20 अंक
	SECTION–D	
Question–VII	नाट्यषास्त्र प्रथम अध्याय (अभिनव भारती सहित) पर आधारित एक प्रष्न का उत्तर	= 20 अंक
Question–VIII	नाट्यषास्त्र द्वितीय अध्याय (अभिनव भारती सहित) पर आधारित एक प्रष्न का उत्तर	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. नाट्यषास्त्र भरतमुनि – अभिनव भारती सहित – सम्पा॰ रविषंकर नागर, परिमल पब्लिकेषन, दिल्ली, 1981.

साहित्याचार्य – समैस्टर - II
तृतीय प्रश्नपत्र : काव्यशास्त्र
(Kavya Shastra)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A काव्यप्रकाष (मम्मट) नवम दषम उल्लास – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–B काव्यप्रकाष (मम्मट) नवम दषम उल्लास – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–C काव्यप्रकाष (मम्मट) नवम दषम उल्लास – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–D काव्यप्रकाष (नवम दषम उल्लास) पर आधारित प्रष्न

SECTION–A

Question–I	2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question–II	2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक

SECTION–B

Question–III	2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question–IV	2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक

SECTION–C

Question–V	2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question–VI	2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक

SECTION–D

Question–VII	एक प्रष्न का उत्तर	= 20 अंक
Question–VIII	एक प्रष्न का उत्तर	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. काव्यप्रकाष (मम्मट) – व्या॰ विष्वेष्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी सम्वत्, 2042.

साहित्याचार्य – समैस्टर - II

चतुर्थ प्रश्नपत्र : संस्कृत कवि का विशेष अध्ययन

(Sanskrit Kavi Ka Vishesh Adhyayan)

Option-A : महाकवि कालिदास

(Mahakavi Kalidas)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A अभिज्ञानषाकुन्तल (कालिदास) – श्लोक व्याख्या
SECTION–B अभिज्ञानषाकुन्तल (कालिदास) – श्लोक व्याख्या
SECTION–C अभिज्ञानषाकुन्तल (कालिदास) – सूक्ति व्याख्या तथा प्रष्न
SECTION–D अभिज्ञानषाकुन्तल तथा महाकवि कालिदास पर आधारित प्रष्न

SECTION–A

Question–I	2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–B

Question–III	2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–C

Question–V	2 सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	अभिज्ञानषाकुन्तल पर आधारित एक प्रष्न का उत्तर	= 20 अंक

SECTION–D

Question–VII	अभिज्ञानषाकुन्तल पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–VIII	महाकवि कालिदास पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. अभिज्ञानषाकुन्तल (कालिदास) – व्या॰ डॉ॰ निरूपण विद्यालंकार साहित्य भण्डार, मेरठ, 2003.

साहित्याचार्य – समैस्टर - II

चतुर्थ प्रश्नपत्र : संस्कृत कवि का विशेष अध्ययन

(Sanskrit Kavi Ka Vishesh Adhyayan)

Option-B : महाकवि अश्वघोष

(Mahakavi Ashva Ghosh)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A सौन्दरनन्द महाकाव्य (अष्वघोष) – श्लोक व्याख्या
SECTION–B सौन्दरनन्द महाकाव्य (अष्वघोष) – श्लोक व्याख्या
SECTION–C सौन्दरनन्द महाकाव्य (अष्वघोष) – सूक्ति व्याख्या तथा प्रष्न
SECTION–D सौन्दरनन्द महाकाव्य तथा अष्वघोष पर आधारित प्रष्न

	SECTION–A	
Question–I	2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–B	
Question–III	2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–C	
Question–V	2 सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	सौन्दरनन्द पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक
	SECTION–D	
Question–VII	सौन्दरनन्द पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–VIII	अष्वघोष पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. सौन्दरनन्द महाकाव्य (अष्वघोष) – व्या॰ जगदीषचन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाषन, वाराणसी, 1991.

साहित्याचार्य – समैस्टर - III

प्रथम प्रश्नपत्र : रस सिद्धान्त

(Ras Siddhant)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A काव्य प्रकाष – (चतुर्थ उल्लास) – व्याख्या
SECTION–B काव्य प्रकाष – (चतुर्थ उल्लास) – व्याख्या
SECTION–C काव्य प्रकाष – (चतुर्थ उल्लास) – व्याख्या, प्रष्न
SECTION–D काव्य प्रकाष – (चतुर्थ उल्लास) – प्रष्न

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 कारिका /कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-II 2 कारिका /कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 कारिका /कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-IV 2 कारिका /कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 कारिका / कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-VI प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII प्रष्न। = 20 अंक
Question-VIII प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. काव्य प्रकाष (मम्मट), व्या॰ श्रीनिवासषास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।

साहित्याचार्य – समैस्टर - III

द्वितीय प्रश्नपत्र : वक्रोक्ति तथा औचित्य सिद्धान्त

(Vakrokti tatha Auchitya Siddhant)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A वक्रोक्तिजीवित (प्रथम उन्मेष) – व्याख्या, प्रष्न
SECTION–B वक्रोक्तिजीवित (द्वितीय उन्मेष) – व्याख्या, प्रष्न
SECTION–C औचित्य विचार चर्चा – व्याख्या
SECTION–D औचित्य विचार चर्चा – व्याख्या, प्रष्न

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 कारिकायें देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-II प्रष्न = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 कारिकायें देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-IV प्रष्न = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 कारिकायें देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-VI 2 कारिकायें देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII 2 कारिकायें देकर = 20 अंक
Question-VIII प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. वक्रोक्तिजीवित (कुन्तक), व्या॰ राधेष्याम मिश्र, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1977.
2. औचित्यविचारचर्चा (क्षेमेन्द्र), व्या॰ रमाषंकर त्रिपाठी, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, 1982.

साहित्याचार्य – समैस्टर - III
तृतीय प्रश्नपत्र : नाट्य सिद्धान्त
(Natya Siddhant)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A दषरूपक (प्रथम, द्वितीय प्रकाष) – व्याख्या
SECTION–B दषरूपक (प्रथम, द्वितीय प्रकाष) – प्रष्न
SECTION–C दषरूपक (तृतीय, चतुर्थ प्रकाष) – व्याख्या
SECTION–D दषरूपक (तृतीय, चतुर्थ प्रकाष) – प्रष्न

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 कारिकायें / कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-II 2 कारिकायें / कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III प्रष्न = 20 अंक
Question-IV प्रष्न = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 कारिकायें / कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-VI 2 कारिकायें / कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII प्रष्न। = 20 अंक
Question-VIII प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. दषरूपक (धनंजय) – व्या॰ श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।

साहित्याचार्य – समैस्टर - III

चतुर्थ प्रश्नपत्र : भवभूति विशेष अध्ययन

(Bhavabhuti Vishesh Adhyayan)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A उत्तररामचरित (प्रथम, द्वितीय, तृतीय अंक) – व्याख्या
SECTION–B महावीर चरित (प्रथम, द्वितीय, तृतीय अंक) – व्याख्या
SECTION–C मालती माधव (प्रथम, द्वितीय, तृतीय अंक) – व्याख्या
SECTION–D भवभूति व्यक्तित्व कृतित्व तथा उत्तररामचरित के निर्धारित अंष से प्रष्न।

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-II 2 श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-IV 2 श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-VI 2 श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII प्रष्न। = 20 अंक
Question-VIII प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. उत्तररामचरित (भवभूति) – साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. महावीरचरित (भवभूति)
3. मालतीमाधव (भवभूति)

साहित्याचार्य – समैस्टर - IV

प्रथम प्रश्नपत्र : ध्वनि सिद्धान्त

(Dhvani Siddhant)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A ध्वन्यालोक (लोचन टीका सहित) – तृतीय, चतुर्थ उद्योत – व्याख्या
SECTION–B ध्वन्यालोक (लोचन टीका सहित) – तृतीय, चतुर्थ उद्योत – व्याख्या
SECTION–C ध्वन्यालोक (लोचन टीका सहित) – तृतीय, चतुर्थ उद्योत – व्याख्या, प्रष्न
SECTION–D ध्वन्यालोक (लोचन टीका सहित) – तृतीय, चतुर्थ उद्योत – प्रष्न

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 कारिका /कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-II 2 कारिका /कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 कारिका / कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-IV 2 कारिका / कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 कारिका /कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-VI प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII प्रष्न। = 20 अंक
Question-VIII प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. ध्वन्यालोक (लोचन सहित) – सं॰ दुर्गाप्रसाद काषीनाथ पांडुरंग परव, चौखम्बा अमर भारती प्रकाषन, वाराणसी।

साहित्याचार्य – समैस्टर - IV
द्वितीय प्रश्नपत्र : रीति सिद्धान्त
(Riti Siddhant)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A काव्यालंकार सूत्र वृत्ति – व्याख्या

SECTION–B काव्यालंकार सूत्र वृत्ति – व्याख्या

SECTION–C काव्यालंकार सूत्र वृत्ति – प्रष्न

SECTION–D प्रष्न (वामन, कुन्तक, क्षेमेन्द्र का काव्यषास्त्र को योगदान, काव्यात्मा रीति, काव्यात्मा वक्रोक्ति, काव्यात्मा औचित्य)।

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 कारिका /कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-II 2 कारिका /कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 कारिका /कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-IV 2 कारिका /कारिकांष देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V प्रष्न। = 20 अंक

Question-VI प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII प्रष्न। = 20 अंक

Question-VIII प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. काव्यालंकारसूत्रवृत्ति (वामन), व्या॰ वेचन झा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1976.
2. अलंकारषास्त्र का इतिहास – डॉ॰ कृष्ण कुमार –साहित्य भण्डार, मेरठ।

साहित्याचार्य – समैस्टर - IV

तृतीय प्रश्नपत्र : अलंकार शास्त्र

(Alankar Shastra)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A काव्यादर्ष (प्रथम परिच्छेद) – व्याख्या

SECTION–B काव्यादर्ष (प्रथम परिच्छेद) – व्याख्या, प्रष्न

SECTION–C काव्यादर्ष (द्वितीय परिच्छेद) – व्याख्या

SECTION–D काव्यादर्ष (द्वितीय परिच्छेद) – व्याख्या, प्रष्न

विषेष : प्रष्नों के लिये निर्धारित परिच्छेदों के साथ साथ दण्डी का व्यक्तित्व कृतित्व, अलंकार शास्त्र को उनका योगदान भी निर्धारित हैं।

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I	2 कारिकायें देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question-II	2 कारिकायें देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक

SECTION–B

Question-III	2 कारिकायें देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question-IV	क. एक कारिका देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 10 अंक
	ख. प्रष्न।	= 10 अंक

SECTION–C

Question-V	2 कारिकायें देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question-VI	2 कारिकायें देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक

SECTION–D

Question-VII	2 कारिकायें देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question-VIII	क. एक कारिका देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 10 अंक
	ख. प्रष्न।	= 10 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. काव्यादर्ष (दण्डी) – व्या॰ रामचन्द्रमिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1958.

साहित्याचार्य – समैस्टर - IV

चतुर्थ प्रश्नपत्र : शतक साहित्य

(Shatak Sahitya)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A वैराग्य शतक – व्याख्या
SECTION–B वैराग्य शतक – व्याख्या, प्रष्न
SECTION–C अमरूकषतक – व्याख्या
SECTION–D अमरूकषतक – व्याख्या, प्रष्न

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

	SECTION–A	
Question-I	2 श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question-II	2 श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
	SECTION–B	
Question-III	2 श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question-IV	प्रष्न।	= 20 अंक
	SECTION–C	
Question-V	2 श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question-VI	2 श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
	SECTION–D	
Question-VII	2 श्लोक देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये।	= 20 अंक
Question-VIII	प्रष्न ।	= 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. वैराग्यषतकम् (भर्तृहरि) – व्या॰ डॉ॰ सत्यपाल रणदेव, राज पब्लिषर्ज, जालन्धर, 1994.
2. अमरूकषतक – बम्बई वैंक्टेष्वर प्रैस, 1951.

संस्कृत में आचार्य (व्याकरणाचार्य)
पाठ्यक्रम की रूपरेखा
Vyakaranacharya (Master's)
व्याकरणाचार्य (स्नातकोत्तर)

SEMESTER–I

प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल 100 अंक हैं। समय 3 घण्टे हैं।

प्रथम प्रष्नपत्र	:	काषिका
द्वितीय प्रष्नपत्र	:	महाभाष्य
तृतीय प्रष्नपत्र	:	वैयाकरणभूषणसार
चतुर्थ प्रष्नपत्र	:	संस्कृत व्याकरण परिभाषा

SEMESTER–II

प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल 100 अंक हैं। समय 3 घण्टे हैं।

प्रथम प्रष्नपत्र	:	काषिका
द्वितीय प्रष्नपत्र	:	महाभाष्य एवं षिक्षा
तृतीय प्रष्नपत्र	:	वैयाकरणभूषणसार
चतुर्थ प्रष्नपत्र	:	संस्कृत व्याकरण परिभाषा

SEMESTER–III

प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल 100 अंक हैं। समय 3 घण्टे हैं।

प्रथम प्रष्नपत्र	:	काषिका
द्वितीय प्रष्नपत्र	:	वैयाकरण दर्षन
तृतीय प्रष्नपत्र	:	वाक्यपदीय
चतुर्थ प्रष्नपत्र	:	संस्कृत व्याकरण शास्त्र इतिहास

SEMESTER–IV

प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल 100 अंक हैं। समय 3 घण्टे हैं।

प्रथम प्रष्नपत्र	:	काषिका
द्वितीय प्रष्नपत्र	:	वैयाकरण दर्षन
तृतीय प्रष्नपत्र	:	महाभाष्य
चतुर्थ प्रष्नपत्र	:	भाषा शास्त्र तथा निबन्ध

व्याकरणाचार्य – समैस्टर - I
प्रथम प्रश्नपत्र : काशिका
(Kashika)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A काशिका (जयादित्य वामन) 1.1
SECTION–B काशिका (जयादित्य वामन) 1.2
SECTION–C काशिका (जयादित्य वामन) 1.3
SECTION–D काशिका (जयादित्य वामन) 1.4

SECTION–A

Question–I	4 की रूप सिद्धि	= 20 अंक
Question–II	4 सूत्रों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–B

Question–III	4 की रूप सिद्धि	= 20 अंक
Question–IV	4 सूत्रों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–C

Question–V	4 की रूप सिद्धि	= 20 अंक
Question–VI	4 सूत्रों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–D

Question–VII	4 की रूप सिद्धि	= 20 अंक
Question–VIII	4 सूत्रों की व्याख्या	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. काशिका (जयादित्य वामन) – सम्पा॰ बालषास्त्री रानाडे, मैडिकल हाल प्रैस, वाराणसी, 1898.
2. काशिका (जयादित्य वामन) – सम्पा॰ श्री शोभित मिश्र, चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय, 1952.

व्याकरणाचार्य – समैस्टर - I
द्वितीय प्रश्नपत्रः महाभाष्य
(Mahabhashya)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A महाभाष्य (पतंजलि) – द्वितीय, तृतीय आह्निक – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–B महाभाष्य (पतंजलि) – द्वितीय, तृतीय आह्निक – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–C महाभाष्य (पतंजलि) – द्वितीय, तृतीय आह्निक – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–D निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित प्रष्न

SECTION–A

Question–I	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–B

Question–III	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–C

Question–V	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–D

Question–VII	महाभाष्य – द्वितीय तृतीय आह्निक पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–VIII	महाभाष्य – द्वितीय तृतीय आह्निक पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. महाभाष्य (पतंजलि) – षिवनारायण शास्त्री, परिमल पब्लिकेषन, दिल्ली, 1991.

व्याकरणाचार्य – समैस्टर - I
तृतीय प्रश्नपत्र : वैयाकरणभूषणसार
(Vaiyakaran Bhushansar)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A वैयाकरणभूषणसार (कौंडभट्ट) – धात्वर्थ निर्णय – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–B वैयाकरणभूषणसार (कौंडभट्ट) – सुबर्थ निर्णय – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–C वैयाकरणभूषणसार (कौंडभट्ट) – नामार्थ निर्णय – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–D निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित प्रष्न

SECTION–A

Question–I	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–B

Question–III	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–C

Question–V	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–D

Question–VII	वैयाकरणभूषणसार के निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–VIII	वैयाकरणभूषणसार के निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. वैयाकरणभूषणसार (कौंडभट्ट) – व्या॰ भीमसेन शास्त्री, राधा प्रैस, गांधीनगर, दिल्ली।
2. वैयाकरणभूषणसार (कौंडभट्ट) – सम्पा॰ श्री तारकेष्वर शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाषन, वाराणसी, 1947.

व्याकरणाचार्य – समैस्टर - I
चतुर्थ प्रश्नपत्र : संस्कृत व्याकरण परिभाषा
(Sanskrit Vyakaran Paribhasha)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A परिभाषेन्दुषेखर (नागेषभट्ट) – परिभाषा 1 से 64 तक – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–B परिभाषेन्दुषेखर (नागेषभट्ट) – परिभाषा 1 से 64 तक – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–C परिभाषेन्दुषेखर (नागेषभट्ट) – परिभाषा 1 से 64 तक – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–D निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित प्रष्न

	SECTION–A	
Question–I	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–B	
Question–III	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–C	
Question–V	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–D	
Question–VII	परिभाषेन्दुषेखर के निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–VIII	परिभाषेन्दुषेखर के निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. परिभाषेन्दुषेखर (नागेषभट्ट) – आचार्य विष्वनाथमिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाषन, वाराणसी, 2011.

व्याकरणाचार्य – समैस्टर - II
प्रथम प्रश्नपत्र : काशिका
(Kashika)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A काशिका (जयादित्य वामन) 2.1
SECTION–B काशिका (जयादित्य वामन) 2.2
SECTION–C काशिका (जयादित्य वामन) 2.3
SECTION–D काशिका (जयादित्य वामन) 2.4

SECTION–A

Question–I	4 की रूप सिद्धि	= 20 अंक
Question–II	4 सूत्रों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–B

Question–III	4 की रूप सिद्धि	= 20 अंक
Question–IV	4 सूत्रों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–C

Question–V	4 की रूप सिद्धि	= 20 अंक
Question–VI	4 सूत्रों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–D

Question–VII	4 की रूप सिद्धि	= 20 अंक
Question–VIII	4 सूत्रों की व्याख्या	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. काशिका (जयादित्य वामन) – सम्पा॰ बालषास्त्री रानाडे, मैडिकल हाल प्रैस, वाराणसी, 1898.
2. काशिका (जयादित्य वामन) – सम्पा॰ श्री शोभित मिश्र, चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय, 1952.

व्याकरणाचार्य – समैस्टर - II
द्वितीय प्रश्नपत्रः महाभाष्य एवं शिक्षा
(Mahabhashya Evam Shiksha)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A महाभाष्य (पतंजलि) – चतुर्थ, पंचम आह्निक – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–B महाभाष्य (पतंजलि) – चतुर्थ, पंचम आह्निक – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–C महाभाष्य के निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित प्रष्न
SECTION–D पाणिनीय षिक्षा

	SECTION–A	
Question–I	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–B	
Question–III	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–C	
Question–V	महाभाष्य के निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–VI	महाभाष्य के निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक
	SECTION–D	
Question–VII	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–VIII	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. महाभाष्य (पतंजलि) – षिवनारायण शास्त्री, परिमल पब्लिकेषन, दिल्ली, 1991.
2. पाणिनीय षिक्षा – व्या॰ सत्यप्रकाष दुबे, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, 2004.

व्याकरणाचार्य – समैस्टर - II
तृतीय प्रश्नपत्र : वैयाकरणभूषणसार
(Vaiyakaran Bhashansar)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A वैयाकरणभूषणसार (कौंडभट्ट) – समास शक्ति – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–B वैयाकरणभूषणसार (कौंडभट्ट) – शक्ति निर्माण – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–C वैयाकरणभूषणसार (कौंडभट्ट) – स्फोट निरूपण – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–D निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित प्रष्न

SECTION–A

Question–I	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–B

Question–III	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–C

Question–V	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–D

Question–VII	वैयाकरणभूषणसार के निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–VIII	वैयाकरणभूषणसार के निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. वैयाकरणभूषणसार (कौंडभट्ट) – व्या॰ भीमसेन शास्त्री, राधा प्रैस, गांधीनगर, दिल्ली।
2. वैयाकरणभूषणसार (कौंडभट्ट) – सम्पा॰ श्री तारकेष्वर शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाषन, वाराणसी, 1947.

व्याकरणाचार्य – समैस्टर - II
चतुर्थ प्रश्नपत्र : संस्कृत व्याकरण परिभाषा
(Sanskrit Vyakaran Paribhasha)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A परिभाषेन्दुषेखर (नागेषभट्ट) – परिभाषा 65 से ग्रन्थ समाप्ति पर्यन्त – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–B परिभाषेन्दुषेखर (नागेषभट्ट) – परिभाषा 65 से ग्रन्थ समाप्ति पर्यन्त – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–C परिभाषेन्दुषेखर (नागेषभट्ट) – परिभाषा 65 से ग्रन्थ समाप्ति पर्यन्त – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–D निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित प्रष्न

SECTION–A

Question–I	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–B

Question–III	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–C

Question–V	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	2 सन्दर्भों की व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–D

Question–VII	परिभाषेन्दुषेखर के निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–VIII	परिभाषेन्दुषेखर के निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. परिभाषेन्दुषेखर (नागेषभट्ट) – आचार्य विष्वनाथमिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाषन, वाराणसी, 2011.

व्याकरणाचार्य – समैस्टर - III

प्रथम प्रश्नपत्र : काशिका

(Kashika)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A काषिका (जयादित्यवामन) – 3.1
SECTION–B काषिका (जयादित्यवामन) – 3.2
SECTION–C काषिका (जयादित्यवामन) – 3.3
SECTION–D काषिका (जयादित्यवामन) – 3.4

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 4 की रूप सिद्धि। = 20 अंक
Question-II 4 सूत्रों की व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 4 की रूप सिद्धि। = 20 अंक
Question-IV 4 सूत्रों की व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 4 की रूप सिद्धि। = 20 अंक
Question-VI 4 सूत्रों की व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII 4 की रूप सिद्धि। = 20 अंक
Question-VIII 4 सूत्रों की व्याख्या। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. काषिका (जयादित्यवामन), बालकृष्ण रानाडे, मैडीकल हाल प्रैस, वाराणसी, 1898.
2. काषिका – सं॰ श्रीषोभित मिश्र, चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय, वाराणसी, 1952.

व्याकरणाचार्य – समैस्टर - III
द्वितीय प्रश्नपत्र : वैयाकरण दर्शन
(Vyakaran Darshan)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A परमलघुमंजूषा (नागेष) – शक्तिनिरूपणम्
SECTION–B परमलघुमंजूषा (नागेष) – लक्षणानिरूपणम्
SECTION–C परमलघुमंजूषा (नागेष) – व्यंजनानिरूपणम् आकांक्षादिविचारष्च
SECTION–D परमलघुमंजूषा (नागेष) – स्फोटनिरूपणम्

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 व्याख्या। = 20 अंक
Question-II 2 व्याख्या /प्रष्न = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 व्याख्या। = 20 अंक
Question-IV 2 व्याख्या /प्रष्न = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 व्याख्या। = 20 अंक
Question-VI 2 व्याख्या /प्रष्न = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII 2 व्याख्या । = 20 अंक
Question-VIII 2 व्याख्या /प्रष्न = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. परमलघुमंजूषा (नागेषभट्ट), व्या॰ जयषंकरलाल त्रिपाठी, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, 1984.

व्याकरणाचार्य – समैस्टर - III
तृतीय प्रश्नपत्र : वाक्यपदीय
(Vakya Padiya)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) – व्याख्या
SECTION–B वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) – सप्रसंग व्याख्या
SECTION–C वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) – व्याख्या, टिप्पणी
SECTION–D वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) – प्रष्न

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 की व्याख्या। = 20 अंक
Question-II 2 की व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-IV 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-VI 2 पर टिप्पणी। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII प्रष्न। = 20 अंक
Question-VIII प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) – भर्तृहरि – व्या॰ हरिनारायण तिवारी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी।

व्याकरणाचार्य – समैस्टर - III

चतुर्थ प्रश्नपत्र : संस्कृत व्याकरण शास्त्र इतिहास

(Sanskrit Vyakaran Shastra Itihas)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A संस्कृत व्याकरण का उद्भव, विकास, पाणिनि पूर्व वैयाकरण।

SECTION–B पाणिनि, अष्टाध्यायी।

SECTION–C कात्यायन, पतंजलि, महाभाष्य।

SECTION–D पाणिनि के वृत्तिकार / भाष्यकार, प्रक्रियाग्रन्थ, अन्य वैयाकरण।

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I एक प्रष्न। = 20 अंक

Question-II एक प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III एक प्रष्न। = 20 अंक

Question-IV दो टिप्पणियां /एक प्रष्न = 20 अंक

SECTION–C

Question-V एक प्रष्न। = 20 अंक

Question-VI एक प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII एक प्रष्न। = 20 अंक

Question-VIII दो टिप्पणियां /एक प्रष्न = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. संस्कृतव्याकरणषास्त्र का इतिहास – युधिष्ठिर मीमांसक, भारतीय प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, अजमेर।

व्याकरणाचार्य – समैस्टर - IV

प्रथम प्रश्नपत्र : काशिका

(Kashika)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A काषिका (जयादित्यवामन) – 4.1
SECTION–B काषिका (जयादित्यवामन) – 4.2
SECTION–C काषिका (जयादित्यवामन) – 4.3
SECTION–D काषिका (जयादित्यवामन) – 4.4

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 4 की रूप सिद्धि। = 20 अंक
Question-II 4 सूत्रों की व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 4 की रूप सिद्धि। = 20 अंक
Question-IV 4 सूत्रों की व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 4 की रूप सिद्धि। = 20 अंक
Question-VI 4 सूत्रों की व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII 4 की रूप सिद्धि। = 20 अंक
Question-VIII 4 सूत्रों की व्याख्या। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. काषिका (जयादित्यवामन), बालकृष्ण रानाडे, मैडीकल हाल प्रैस, वाराणसी, 1898.
2. काषिका – सं॰ श्रीषोभित मिश्र, चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय, वाराणसी, 1952.

व्याकरणाचार्य – समैस्टर - IV
द्वितीय प्रश्नपत्र : वैयाकरण दर्शन
(Vyakaran Darshan)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A परमलघुमंजूषा (नागेष) – धात्वर्थनिर्णयः
SECTION–B परमलघुमंजूषा (नागेष) – निपातार्थनिर्णयः
SECTION–C परमलघुमंजूषा (नागेष) – कारकनिरूपणम्
SECTION–D निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रष्न

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 व्याख्या। = 20 अंक
Question-II 2 व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 व्याख्या। = 20 अंक
Question-IV 2 व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 व्याख्या। = 20 अंक
Question-VI 2 व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII प्रष्न। = 20 अंक
Question-VIII प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. परमलघुमंजूषा (नागेषभट्ट), व्या॰ जयषंकरलाल त्रिपाठी, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, 1984.

व्याकरणाचार्य – समैस्टर - IV

तृतीय प्रश्नपत्र : महाभाष्य

(Mahabhashya)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A महाभाष्य – (षष्ठ आह्निक)
SECTION–B महाभाष्य – (सप्तम आह्निक)
SECTION–C महाभाष्य – (अष्टम आह्निक)
SECTION–D निर्धारित पाठ्यक्रम से प्रष्न

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-II 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-IV 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-VI 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII प्रष्न। = 20 अंक
Question-VIII प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. महाभाष्य (पतंजलि) – व्या॰ चारुदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।

व्याकरणाचार्य – समैस्टर - IV
चतुर्थ प्रश्नपत्र : भाषा शास्त्र तथा निबन्ध
(Bhasha Shastra tatha Nibandh)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A भाषा, भाषा उत्पत्ति सिद्धान्त, भाषा वर्गीकरण (आकृतिमूलक, पारिवारिक)

SECTION–B संस्कृत में भाषा विज्ञान चिन्तन, ध्वनियों का उच्चारण स्थान, उच्चारण प्रयत्न (अन्तः, बाह्य)

SECTION–C ध्वनि परिवर्तन कारण, ध्वनि परिवर्तन दिषायें, अर्थविकास की दिषायें, अर्थविनिष्चय में सहायक तत्त्व

SECTION–D संस्कृत व्याकरण से संबंधित विषय पर निबन्ध

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I एक प्रष्न। = 20 अंक

Question-II एक प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III एक प्रष्न। = 20 अंक

Question-IV एक प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V एक प्रष्न। = 20 अंक

Question-VI एक प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII संस्कृत व्याकरण से संबंधित दो विषय देकर एक पर निबन्ध लिखवाया जाए। = 20 अंक

Question-VIII संस्कृत व्याकरण से संबंधित दो विषय देकर एक पर निबन्ध लिखवाया जाए। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. भाषा विज्ञान – कर्ण सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. तुलनात्मक भाषा शास्त्र – मंगलदेव शास्त्री, इंडियन प्रेस (पब्) प्राइवेट लिमिटेड, प्रयाग, उत्तर प्रदेष।

पाठ्यक्रम
संस्कृत में आचार्य (दर्शनाचार्य)
पाठ्यक्रम की रूपरेखा

Darshanacharya (Master's)
दर्शनाचार्य (स्नातकोत्तर)

SEMESTER–I

प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल 100 अंक हैं। समय 3 घण्टे हैं।

प्रथम प्रष्नपत्र	:	मीमांसा दर्षन
द्वितीय प्रष्नपत्र	:	वैषेषिक दर्षन
तृतीय प्रष्नपत्र	:	सांख्य दर्षन
चतुर्थ प्रष्नपत्र	:	योगदर्षन

SEMESTER–II

प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल 100 अंक हैं। समय 3 घण्टे हैं।

प्रथम प्रष्नपत्र	:	सर्वदर्षन संग्रह विवेचन
द्वितीय प्रष्नपत्र	:	वैषेषिक दर्षन
तृतीय प्रष्नपत्र	:	सांख्य दर्षन
चतुर्थ प्रष्नपत्र	:	योगदर्षन

SEMESTER–III

प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल 100 अंक हैं। समय 3 घण्टे हैं।

प्रथम प्रष्नपत्र	:	वेदान्त दर्षन
द्वितीय प्रष्नपत्र	:	न्याय दर्षन
तृतीय प्रष्नपत्र	:	उपनिषद्
चतुर्थ प्रष्नपत्र	:	तर्कभाषा

SEMESTER–IV

प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल 100 अंक हैं। समय 3 घण्टे हैं।

प्रथम प्रष्नपत्र	:	वेदान्त दर्षन
द्वितीय प्रष्नपत्र	:	न्याय दर्षन
तृतीय प्रष्नपत्र	:	उपनिषद्
चतुर्थ प्रष्नपत्र	:	षड् दर्षन इतिहास तथा निबन्ध

दर्शनाचार्य – समैस्टर - I
प्रथम प्रश्नपत्र : मीमांसा दर्शन
(Mimansa Darshan)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A मीमांसा दर्षन (षाबर भाष्य सहित) 1.1
SECTION–B मीमांसा दर्षन (षाबर भाष्य सहित) 1.2
SECTION–C मीमांसा दर्षन (षाबर भाष्य सहित) 1.3
SECTION–D मीमांसा दर्षन (षाबर भाष्य सहित) 1.4

	SECTION–A	
Question–I	दो सूत्र/सन्दर्भ व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	क. एक सूत्र/सन्दर्भ व्याख्या	= 10 अंक
	ख. निर्धारित पाठ्यक्रम से एक प्रष्न	= 10 अंक
	SECTION–B	
Question–III	दो सूत्र/सन्दर्भ व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	क. एक सूत्र/सन्दर्भ व्याख्या	= 10 अंक
	ख. निर्धारित पाठ्यक्रम से एक प्रष्न	= 10 अंक
	SECTION–C	
Question–V	दो सूत्र/सन्दर्भ व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	क. एक सूत्र/सन्दर्भ व्याख्या	= 10 अंक
	ख. निर्धारित पाठ्यक्रम से एक प्रष्न	= 10 अंक
	SECTION–D	
Question–VII	दो सूत्र/सन्दर्भ व्याख्या	= 20 अंक
Question–VIII	क. एक सूत्र/सन्दर्भ व्याख्या	= 10 अंक
	ख. निर्धारित पाठ्यक्रम से एक प्रष्न	= 10 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. मीमांसा दर्षनम् (षाबरभाष्योपेतम्) – सम्पा॰ श्री जीवानन्द विद्यासागर भट्टाचार्य, सुरसधानिधियन्त्र कलकत्ता, 1983.

दर्शनाचार्य – समैस्टर - I
द्वितीय प्रश्नपत्रः वैशेषिक दर्शन
(Vaisheshik Darshan)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A वैषेषिकसूत्रोपस्कार – शंकर मिश्र – अध्याय 1
SECTION–B वैषेषिकसूत्रोपस्कार – शंकर मिश्र – अध्याय 2
SECTION–C वैषेषिकसूत्रोपस्कार – शंकर मिश्र – अध्याय 3
SECTION–D वैषेषिकसूत्रोपस्कार – शंकर मिश्र – अध्याय 4

	SECTION–A	
Question–I	दो सूत्र/सन्दर्भ व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	क. एक सूत्र/सन्दर्भ व्याख्या	= 10 अंक
	ख. निर्धारित पाठ्यक्रम से एक प्रष्न	= 10 अंक
	SECTION–B	
Question–III	दो सूत्र/सन्दर्भ व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	क. एक सूत्र/सन्दर्भ व्याख्या	= 10 अंक
	ख. निर्धारित पाठ्यक्रम से एक प्रष्न	= 10 अंक
	SECTION–C	
Question–V	दो सूत्र/सन्दर्भ व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	क. एक सूत्र/सन्दर्भ व्याख्या	= 10 अंक
	ख. निर्धारित पाठ्यक्रम से एक प्रष्न	= 10 अंक
	SECTION–D	
Question–VII	दो सूत्र/सन्दर्भ व्याख्या	= 20 अंक
Question–VIII	क. एक सूत्र/सन्दर्भ व्याख्या	= 10 अंक
	ख. निर्धारित पाठ्यक्रम से एक प्रष्न	= 10 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. वैषेषिक दर्षन (उपस्कारभाष्यसहित)–सम्पा॰ दसगुप्ता, सुरेन्द्रनाथन, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1975.

दर्शनाचार्य – समैस्टर - I
तृतीय प्रश्नपत्र : सांख्यदर्शन
(Sankhya Darshan)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A सांख्यतत्त्वकौमुदी – 1 से 25 कारिकायें – व्याख्या
SECTION–B सांख्यतत्त्वकौमुदी – 1 से 25 कारिकायें – व्याख्या
SECTION–C सांख्यतत्त्वकौमुदी – 1 से 25 कारिकायें – व्याख्या, प्रष्न
SECTION–D सांख्यतत्त्वकौमुदी – 1 से 25 कारिकायें – प्रष्न

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

	SECTION–A	
Question–I	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–B	
Question–III	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–C	
Question–V	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	निर्धारित पाठ्यक्रम से एक प्रष्न	= 20 अंक
	SECTION–D	
Question–VII	निर्धारित पाठ्यक्रम से एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–VIII	निर्धारित पाठ्यक्रम से एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी – अक्षयवट प्रकाषन, इलाहाबाद, 1994.

दर्शनाचार्य – समैस्टर - I
चतुर्थ प्रश्नपत्र : योगदर्शन
(Yog Darshan)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A पातंजलयोगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) – समाधिपाद – व्याख्या
SECTION–B पातंजलयोगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) – समाधिपाद – प्रष्न
SECTION–C पातंजलयोगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) – साधनपाद – व्याख्या
SECTION–D पातंजलयोगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) – साधनपाद – प्रष्न

	SECTION–A	
Question–I	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–B	
Question–III	एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–IV	एक प्रष्न	= 20 अंक
	SECTION–C	
Question–V	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–D	
Question–VII	एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–VIII	एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. पातंजलयोगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) – सम्पा॰ श्रीनारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाषन, वाराणसी, 1998.

दर्शनाचार्य – समैस्टर - II
प्रथम प्रश्नपत्र : सर्वदर्शनसंग्रह विवचेन
(Sarv Darshan Sangrah)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A सर्वदर्षनसंग्रह (माधव) – से चार्वाक दर्षन
SECTION–B सर्वदर्षनसंग्रह (माधव) – से बौद्ध दर्षन
SECTION–C सर्वदर्षनसंग्रह (माधव) – से जैन दर्षन
SECTION–D सर्वदर्षनसंग्रह (माधव) – से वैष्णव एवं रामानुजीय विषिष्टाद्वैत दर्षन

	SECTION–A	
Question–I	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	एक प्रष्न	= 20 अंक
	SECTION–B	
Question–III	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	एक प्रष्न	= 20 अंक
	SECTION–C	
Question–V	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	एक प्रष्न	= 20 अंक
	SECTION–D	
Question–VII	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VIII	एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. सर्वदर्षनसंग्रह (माधव) – सम्पा॰ प्रो॰ उमाषंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2016.

दर्शनाचार्य – समैस्टर - II
द्वितीय प्रश्नपत्रः वैशेषिक दर्शन
(Vaisheshik Darshan)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A पदार्थधर्मसंग्रह (प्रषस्तपाद) – सप्रंसग व्याख्या
SECTION–B पदार्थधर्मसंग्रह (प्रषस्तपाद) – सप्रंसग व्याख्या
SECTION–C पदार्थधर्मसंग्रह (प्रषस्तपाद) – सप्रंसग व्याख्या, प्रष्न
SECTION–D पदार्थधर्मसंग्रह (प्रषस्तपाद) – प्रष्न

	SECTION–A	
Question–I	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–B	
Question–III	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–C	
Question–V	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	एक प्रष्न	= 20 अंक
	SECTION–D	
Question–VII	एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–VIII	एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. पदार्थधर्मसंग्रह (प्रषस्तपाद) – सम्पा॰ श्रीनिवास शास्त्री, गाजियाबाद, इण्डो विजन, 1984.

दर्शनाचार्य – समैस्टर - II
तृतीय प्रश्नपत्र : सांख्यादर्शन
(Sankhya Darshan)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A सांख्यतत्त्वकौमुदी – कारिका 26 से ग्रन्थ समाप्ति पर्यन्त – व्याख्या
SECTION–B सांख्यतत्त्वकौमुदी – कारिका 26 से ग्रन्थ समाप्ति पर्यन्त – व्याख्या
SECTION–C सांख्यतत्त्वकौमुदी – कारिका 26 से ग्रन्थ समाप्ति पर्यन्त – व्याख्या, प्रष्न
SECTION–D सांख्यतत्त्वकौमुदी – कारिका 26 से ग्रन्थ समाप्ति पर्यन्त – प्रष्न

SECTION–A

Question–I	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–B

Question–III	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–C

Question–V	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	एक प्रष्न	= 20 अंक

SECTION–D

Question–VII	एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–VIII	एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी – अक्षयवट प्रकाषन, इलाहाबाद, 1994.

दर्शनाचार्य – समैस्टर - II
चतुर्थ प्रश्नपत्र : योगदर्शन
(Yog Darshan)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A पातंजलयोगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) – विभूतिपाद – व्याख्या
SECTION–B पातंजलयोगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) – विभूतिपाद – प्रष्न
SECTION–C पातंजलयोगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) – कैवल्यपाद – व्याख्या
SECTION–D पातंजलयोगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) – कैवल्यपाद – प्रष्न

SECTION–A

Question–I	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–B

Question–III	एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–IV	एक प्रष्न	= 20 अंक

SECTION–C

Question–V	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–D

Question–VII	एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–VIII	एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. पातंजलयोगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) – सम्पा॰ श्रीनारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाषन, वाराणसी, 1998.

दर्शनाचार्य – समैस्टर - III

प्रथम प्रश्नपत्र : वेदान्त दर्शन

(Vedant Darshan)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A ब्रह्मसूत्र (षांकरभाष्य सहित) – प्रथम अध्याय, प्रथम पाद
SECTION–B ब्रह्मसूत्र (षांकरभाष्य सहित) – प्रथम अध्याय, द्वितीय पाद
SECTION–C ब्रह्मसूत्र (षांकरभाष्य सहित) – प्रथम अध्याय, तृतीय पाद
SECTION–D ब्रह्मसूत्र (षांकरभाष्य सहित) – प्रथम अध्याय, चतुर्थ पाद

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-II 2 की सप्रसंग व्याख्या/प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-IV 2 की सप्रसंग व्याख्या/प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-VI 2 की सप्रसंग व्याख्या/प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-VIII 2 की सप्रसंग व्याख्या/प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. ब्रह्मसूत्रम् (शांकरभाष्योपेतम्) – व्या॰ स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली, 2007.

दर्शनाचार्य – समैस्टर - III
द्वितीय प्रश्नपत्रः न्याय दर्शन
(Nyaya Darshan)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A न्यायसूत्र (वात्स्यायन भाष्य सहित) – प्रथम अध्याय, प्रथम आह्निक
SECTION–B न्यायसूत्र (वात्स्यायन भाष्य सहित) – प्रथम अध्याय, द्वितीय आह्निक
SECTION–C न्यायसूत्र (वात्स्यायन भाष्य सहित) – द्वितीय अध्याय, प्रथम आह्निक
SECTION–D न्यायसूत्र (वात्स्यायन भाष्य सहित) – द्वितीय अध्याय, द्वितीय आह्निक

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-II 2 की सप्रसंग व्याख्या/प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-IV 2 की सप्रसंग व्याख्या/प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-VI 2 की सप्रसंग व्याख्या/प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-VIII 2 की सप्रसंग व्याख्या/प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. न्यायभाष्यम् – व्या॰ स्वामी द्वारका शास्त्री, सुधी प्रकाषन, वाराणसी–1, 1986.

दर्शनाचार्य – समैस्टर - III

तृतीय प्रश्नपत्र : उपनिषद्

(Upanishad)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A ईषोपनिषद्

SECTION–B केनोपनिषद्

SECTION–C मांडूक्योपनिषद्

SECTION–D सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से आलोचनात्मक प्रष्न

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-II 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-IV 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-VI 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII प्रष्न। = 20 अंक

Question-VIII प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. ईषोपनिषद्
2. केनोपनिषद्
3. मांडूक्योपनिषद्

दर्शनाचार्य – समैस्टर - III

चतुर्थ प्रश्नपत्र : तर्कभाषा

(Tark Bhasha)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A तर्कभाषा (केषवमिश्र) – आरम्भ से प्रमाणों की सम्पूर्णता पर्यन्त – व्याख्या

SECTION–B तर्कभाषा (केषवमिश्र) – आरम्भ से प्रमाणों की सम्पूर्णता पर्यन्त – व्याख्या, प्रष्न

SECTION–C तर्कभाषा (केषवमिश्र) – प्रमेय से ग्रन्थ समाप्ति पर्यन्त – व्याख्या

SECTION–D तर्कभाषा (केषवमिश्र) – प्रमेय से ग्रन्थ समाप्ति पर्यन्त – व्याख्या, प्रष्न

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-II 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-IV प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-VI 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-VIII प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. तर्कभाषा (केषवमिश्र) – व्या॰ श्रीनिवासषास्त्री, साहित्यभण्डार, मेरठ।

दर्शनाचार्य – समैस्टर - IV

प्रथम प्रश्नपत्र : वेदान्त दर्शन

(Vedant Darshan)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A ब्रह्मसूत्र (षांकरभाष्य सहित) – द्वितीय अध्याय, प्रथम पाद
SECTION–B ब्रह्मसूत्र (षांकरभाष्य सहित) – द्वितीय अध्याय, द्वितीय पाद
SECTION–C ब्रह्मसूत्र (षांकरभाष्य सहित) – द्वितीय अध्याय, तृतीय पाद
SECTION–D ब्रह्मसूत्र (षांकरभाष्य सहित) – द्वितीय अध्याय, चतुर्थ पाद

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-II 2 की सप्रसंग व्याख्या/प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-IV 2 की सप्रसंग व्याख्या/प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-VI 2 की सप्रसंग व्याख्या/प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-VIII 2 की सप्रसंग व्याख्या/प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. ब्रह्मसूत्रम् (शांकरभाष्योपेतम्) – व्या॰ स्वामी सत्यानन्द सरस्वती, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली, 2007.

दर्शनाचार्य – समैस्टर - IV
द्वितीय प्रश्नपत्रः न्याय दर्शन
(Nyaya Darshan)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A न्यायसूत्र (वात्स्यायन भाष्य सहित) – तृतीय अध्याय, प्रथम आह्निक
SECTION–B न्यायसूत्र (वात्स्यायन भाष्य सहित) – तृतीय अध्याय, द्वितीय आह्निक
SECTION–C न्यायसूत्र (वात्स्यायन भाष्य सहित) – चतुर्थ अध्याय, प्रथम आह्निक
SECTION–D न्यायसूत्र (वात्स्यायन भाष्य सहित) – चतुर्थ अध्याय, द्वितीय आह्निक

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-II 2 की सप्रसंग व्याख्या/प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-IV 2 की सप्रसंग व्याख्या/प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-VI 2 की सप्रसंग व्याख्या/प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-VIII 2 की सप्रसंग व्याख्या/प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. न्यायभाष्यम् – व्या॰ स्वामी द्वारका शास्त्री, सुधी प्रकाषन, वाराणसी–1, 1986.

दर्शनाचार्य – समैस्टर - IV
तृतीय प्रश्नपत्र : उपनिषद्
(Upanishad)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A कठोपनिषद् – व्याख्या
SECTION–B कठोपनिषद् – व्याख्या, प्रष्न
SECTION–C तैत्तिरीयोपनिषद् – व्याख्या
SECTION–D तैत्तिरीयोपनिषद् – व्याख्या, प्रष्न

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-II 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-IV प्रष्न = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-VI 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII 2 की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक
Question-VIII प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. कठोपनिषद्।
2. तैत्तिरीयोनिषद्।

दर्शनाचार्य – समैस्टर - IV

चतुर्थ प्रश्नपत्र : षड् दर्शन इतिहास तथा निबन्ध

(Shad Darshan Itihas tatha Nibandh)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A सांख्य योग दर्षन इतिहास
SECTION–B न्याय वैषेषिक दर्षन इतिहास
SECTION–C मीमांसा वेदान्त दर्षन इतिहास
SECTION–D षड् दर्षन से संबंधित विषय पर निबन्ध

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I एक प्रष्न। = 20 अंक
Question-II एक प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III एक प्रष्न। = 20 अंक
Question-IV एक प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V एक प्रष्न। = 20 अंक
Question-VI एक प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII षड् दर्षन से संबंधित 2 विषय देकर एक पर निबन्ध लिखने को कहा जाये। = 20 अंक
Question-VIII षड् दर्षन से संबंधित 2 विषय देकर एक पर निबन्ध लिखने को कहा जाये। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. भारतीय दर्षन का इतिहास – जयदेव वेदालंकार, न्यू भारतीय बुक कारपोरेषन, दिल्ली, 2005.

संस्कृत में आचार्य (वेदाचार्य)
पाठ्यक्रम की रूपरेखा
Vedacharya (Master's)
वेदाचार्य (स्नातकोत्तर)

SEMESTER–I

प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल 100 अंक हैं। समय 3 घण्टे हैं।

प्रथम प्रष्नपत्र	:	ऋग्वेद
द्वितीय प्रष्नपत्र	:	वैदिक साहित्य
तृतीय प्रष्नपत्र	:	आरण्यक साहित्य
चतुर्थ प्रष्नपत्र	:	वेदांग

SEMESTER–II

प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल 100 अंक हैं। समय 3 घण्टे हैं।

प्रथम प्रष्नपत्र	:	वेदानुक्रमणिका
द्वितीय प्रष्नपत्र	:	वैदिक संहिता
तृतीय प्रष्नपत्र	:	उपनिषद् साहित्य
चतुर्थ प्रष्नपत्र	:	प्रातिषाख्य एवं व्याकरण

SEMESTER–III

प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल 100 अंक हैं। समय 3 घण्टे हैं।

प्रथम प्रष्नपत्र	:	ब्राह्मण साहित्य
द्वितीय प्रष्नपत्र	:	निरुक्त
तृतीय प्रष्नपत्र	:	सूत्र साहित्य
चतुर्थ प्रष्नपत्र	:	वेद तथा निबन्ध

SEMESTER–IV

प्रत्येक प्रश्नपत्र के कुल 100 अंक हैं। समय 3 घण्टे हैं।

प्रथम प्रष्नपत्र	:	ब्राह्मण साहित्य
द्वितीय प्रष्नपत्र	:	उपनिषद् तथा षिक्षा
तृतीय प्रष्नपत्र	:	सूत्र साहित्य
चतुर्थ प्रष्नपत्र	:	वैदिक साहित्य का इतिहास

वेदाचार्य – समैस्टर - I

प्रथम प्रश्नपत्र : ऋग्वेद

(Rigved Samhita)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A ऋग्वेद 1.1, 1.2, 1.3, 1.4, 1.5 – व्याख्या
SECTION–B ऋग्वेद 1.1, 1.2, 1.3, 1.4, 1.5 – प्रष्न
SECTION–C ऋग्वेद 10.121, 10.122, 10.123, 10.124,10.125 – व्याख्या
SECTION–D ऋग्वेद 10.121, 10.122, 10.123, 10.124,10.125 – प्रष्न

SECTION–A

Question–I	2 मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–B

Question–III	एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–IV	एक प्रष्न	= 20 अंक

SECTION–C

Question–V	2 मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	2 मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–D

Question–VII	एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–VIII	एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. ऋग्वेदसंहिता – सायणभाष्यसंहिता – चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी, 1973.

वेदाचार्य – समैस्टर - I
द्वितीय प्रश्नपत्रः वैदिक संहिता
(Vedic Samhita)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A माध्यमन्दिनषुक्लयजुर्वेद संहिता– 1,2 अध्याय – व्याख्या (उव्वट एवं दयानन्द भाष्य सहित)
SECTION–B माध्यमन्दिनषुक्लयजुर्वेद संहिता– 1,2 अध्याय – प्रष्न (उव्वट एवं दयानन्द भाष्य सहित)
SECTION–C कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय संहिता – प्रथम काण्ड, प्रथम प्रपाठक – व्याख्या
SECTION–D कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय संहिता – प्रथम काण्ड, प्रथम प्रपाठक – प्रष्न

	SECTION–A	
Question–I	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–B	
Question–III	एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–IV	एक प्रष्न	= 20 अंक
	SECTION–C	
Question–V	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–D	
Question–VII	एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–VIII	एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. माध्यन्दिनषुक्लयजुर्वेदसंहिता – उव्वट दयानन्द भाष्य सहित – हरिप्रसादभगीरथ, बम्बई।
2. कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय संहिता – सायण भाषण सहित – महादेव चिमना जी आप्टे, पूना, 1959.

वेदाचार्य – समैस्टर - I
तृतीय प्रश्नपत्र : आरण्यक साहित्य
(Aranyak Sahitya)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A तैत्तिरीय आरण्यक – प्रथम प्रपाठक – सायण भाष्य सहित – व्याख्या
SECTION–B तैत्तिरीय आरण्यक – प्रथम प्रपाठक – सायण भाष्य सहित – प्रष्न
SECTION–C ऐतरेय आरण्यक – प्रथम आरण्यक – प्रथम अध्याय – व्याख्या
SECTION–D ऐतरेय आरण्यक – प्रथम आरण्यक – प्रथम अध्याय – प्रष्न

	SECTION–A	
Question–I	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–B	
Question–III	एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–IV	एक प्रष्न	= 20 अंक
	SECTION–C	
Question–V	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–D	
Question–VII	एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–VIII	एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. तैत्तिरीय आरण्यक – सम्पा॰ महादेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली, 1985.
2. ऐतरेय आरण्यक – सम्पा॰ जीया लाल कम्बोजी, नाग पब्लिषर, दिल्ली, 2005.

वेदाचार्य – समैस्टर - I
चतुर्थ प्रश्नपत्र : वेदांग
(Vedang)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A याज्ञवल्क्यषिक्षा – व्याख्या
SECTION–B याज्ञवल्क्यषिक्षा – व्याख्या
SECTION–C याज्ञवल्क्यषिक्षा – प्रष्न
SECTION–D पिंगलछन्दसूत्र – अध्याय 1, 2

	SECTION–A	
Question–I	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–B	
Question–III	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–C	
Question–V	एक प्रष्न	= 20 अंक
Question–VI	एक प्रष्न	= 20 अंक
	SECTION–D	
Question–VII	2 सन्दर्भ	= 20 अंक
Question–VIII	2 सन्दर्भ अथवा एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. याज्ञवल्क्यषिक्षा – नरेष झा – चौखम्बा सुरभारती प्रकाषन, वाराणसी, 1999.
2. पिंगलछन्दःसूत्र – सम्पादक जीवानन्द विद्यासागर भट्टाचार्य सरस्वती मन्त्रालय, कलकत्ता, 1892.

ACHARYA (SAHITACHARYA, VYAKARANACHARYA, DARSHANACHARYA, VEDACHARYA) (MASTER'S)

वेदाचार्य – समैस्टर - II

प्रथम प्रश्नपत्र : वेदानुक्रमणिका

(Vedanukramanika)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A मन्त्रार्थानुक्रमणी (माधवभट्ट की ऋग्वेदानुक्रमणी से संगृहीत सी. कुन्हन राजा द्वारा सम्पादित) – व्याख्या

SECTION–B मन्त्रार्थानुक्रमणी (माधवभट्ट की ऋग्वेदानुक्रमणी से संगृहीत सी. कुन्हन राजा द्वारा सम्पादित) – व्याख्या, प्रष्न

SECTION–C आर्षानुक्रमणी पंचम भाग (माधवभट्ट की ऋग्वेदानुक्रमणी से संगृहीत् सी. कुन्हन राजा द्वारा सम्पादित) – व्याख्या

SECTION–D आर्षानुक्रमणी पंचम भाग (माधवभट्ट की ऋग्वेदानुक्रमणी से संगृहीत् सी. कुन्हन राजा द्वारा सम्पादित) – व्याख्या, प्रष्न

	SECTION–A	
Question–I	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–B	
Question–III	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	एक प्रष्न	= 20 अंक
	SECTION–C	
Question–V	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–D	
Question–VII	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VIII	एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. मन्त्रार्थानुक्रमणी (माधवभट्ट की ऋग्वेदानुक्रमणी से संगृहीत, सी. कुन्हन राजा द्वारा सम्पादित)
2. ऋग्वेदानुक्रमणी (आर्षानुक्रमणी पंचम भाग) – माधवभट्ट – विजयपाल, बहालगढ़, सोनीपत, 1979.

वेदाचार्य – समैस्टर - II
द्वितीय प्रश्नपत्रः वैदिक संहिता
(Vedic Samhita)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A अथर्ववेद संहिता 1.2, 1.5, 1.6 – मन्त्र व्याख्या
SECTION–B अथर्ववेद संहिता 1.2, 1.5, 1.6 – मन्त्र व्याख्या, प्रष्न
SECTION–C अथर्ववेद संहिता 1.7, 1.8, 19.51, 19.54 – मन्त्र व्याख्या
SECTION–D अथर्ववेद संहिता 1.7, 1.8, 19.51, 19.54 – मन्त्र व्याख्या, प्रष्न

SECTION–A

Question–I	2 मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–B

Question–III	2 मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	एक प्रष्न	= 20 अंक

SECTION–C

Question–V	2 मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	2 मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–D

Question–VII	2 मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VIII	एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. अथर्ववेदसंहिता – श्रीपाददामोदर सातवलेकर, स्वाध्यायमण्डल, औंध॰, 1995.

वेदाचार्य – समैस्टर - II
तृतीय प्रश्नपत्र : उपनिषद् साहित्य
(Upanishad Sahitya)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A छान्दोग्योपनिष्द् – अध्याय 1,2 – व्याख्या
SECTION–B छान्दोग्योपनिष्द् – अध्याय 1,2 – व्याख्या, प्रष्न
SECTION–C बृहदारण्यकोपनिषद् – अध्याय 1,2 – व्याख्या
SECTION–D बृहदारण्यकोपनिषद् – अध्याय 1,2 – व्याख्या, प्रष्न

	SECTION–A	
Question–I	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–B	
Question–III	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	एक प्रष्न	= 20 अंक
	SECTION–C	
Question–V	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VI	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
	SECTION–D	
Question–VI	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–VIII	एक प्रष्न	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. छान्दोग्योपनिषद् – गीता प्रैस, गोरखपुर।
2. बृहदारण्यकोपनिषद् – गीता प्रैस, गोरखपुर।

वेदाचार्य – समैस्टर - II
चतुर्थ प्रश्नपत्र : प्रातिशाख्य एवं व्याकरण
(Pratishakhya Evam Vyakarana)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-
Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

SECTION–A वाजसनेयी प्रातिषाख्य – प्रथम अध्याय – व्याख्या
SECTION–B वाजसनेयी प्रातिषाख्य – प्रथम अध्याय – व्याख्या, प्रष्न
SECTION–C सिद्धान्तकौमुदी (वैदिक प्रकरण)
SECTION–D सिद्धान्तकौमुदी (वैदिक प्रकरण)

SECTION–A

Question–I	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–II	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक

SECTION–B

Question–III	2 की सप्रसंग व्याख्या	= 20 अंक
Question–IV	एक प्रष्न	= 20 अंक

SECTION–C

Question–V	प्रष्टव्य 2	= 20 अंक
Question–VI	प्रष्टव्य 2	= 20 अंक

SECTION–D

Question–VII	प्रष्टव्य 2	= 20 अंक
Question–VIII	प्रष्टव्य 2	= 20 अंक

अनुशंसित पुस्तकें

1. वाजसनेयी प्रातिषाख्य – अनु॰ जगदीष लाल शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1987.
2. सिद्धान्तकौमुदी (भट्टोजी दीक्षित) – भट्टोजी दीक्षित, भारतीय बुक कारर्पोषन, दिल्ली, 1997.

वेदाचार्य – समैस्टर - III

प्रथम प्रश्नपत्र : ब्राह्मण साहित्य

(Brahman Sahitya)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A शतपथ ब्राह्मण – (प्रथम काण्ड – अध्याय 1,2) – सन्दर्भ व्याख्या

SECTION–B शतपथ ब्राह्मण – (प्रथम काण्ड – अध्याय 1,2) – सन्दर्भ, पारिभाषिक शब्द, प्रष्न

SECTION–C शतपथ ब्राह्मण (प्रथम काण्ड – अध्याय 3,4) – सन्दर्भ व्याख्या

SECTION–D शतपथ ब्राह्मण (प्रथम काण्ड – अध्याय 3,4) – सन्दर्भ, पारिभाषिक शब्द, प्रष्न

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-II 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-IV (2 सन्दर्भ व्याख्या/2 पारिभाषिक शब्द व्याख्या/ एक प्रष्न)– इनमें से कोई एक पूछा जाये = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-VI 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-VIII (2 सन्दर्भ व्याख्या/2 पारिभाषिक शब्द व्याख्या/ एक प्रष्न)– इनमें से कोई एक पूछा जाये = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. शतपथ ब्राह्मण – पंडित गंगाप्रसाद उपाध्याय, प्राचीन वैज्ञानिकाध्ययन, नई दिल्ली।

वेदाचार्य – समैस्टर - III
द्वितीय प्रश्नपत्र : निरुक्त
(Nirukt)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A निरुक्त (यास्क) – अध्याय द्वितीय – सन्दर्भ व्याख्या

SECTION–B निरुक्त (यास्क) – अध्याय तृतीय – सन्दर्भ व्याख्या

SECTION–C निरुक्त (यास्क) – अध्याय सप्तम – सन्दर्भ व्याख्या

SECTION–D पाठ्यक्रम से प्रष्न (प्रष्नों में तीनों अध्यायों में प्रतिपादित विविध पक्ष तथा शब्द निर्वचन पूछे जायें)

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-II 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-IV 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-VI 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII प्रष्न। = 20 अंक

Question-VIII प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. निरुक्त (यास्क) – व्या॰ छज्जूरामषास्त्री, मेहरचन्द लछमणदास, पब्लिकेषन्स, दिल्ली।

वेदाचार्य – समैस्टर - III
तृतीय प्रश्नपत्र : सूत्र साहित्य
(Sutra Sahitya)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A कात्यायन श्रौत सूत्र (प्रथम अध्याय) – सन्दर्भ व्याख्या

SECTION–B कात्यायन श्रौत सूत्र (प्रथम अध्याय) – व्याख्या, पारिभाषिक शब्द, प्रष्न।

SECTION–C पारस्कर गृह्य सूत्र – सन्दर्भ व्याख्या

SECTION–D पारस्कर गृह्य सूत्र – व्याख्या, पारिभाषिक शब्द, प्रष्न।

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 सन्दर्भों की व्याख्या। = 20 अंक

Question-II 2 सन्दर्भों की व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 सन्दर्भों की व्याख्या। = 20 अंक

Question-IV (2 सन्दर्भ व्याख्या/2 पारिभाषिक शब्द व्याख्या/एक प्रष्न)–इनमें से कोई एक पूछा जाये। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 सन्दर्भों की व्याख्या। = 20 अंक

Question-VI 2 सन्दर्भों की व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII 2 सन्दर्भों की व्याख्या। = 20 अंक

Question-VIII (2 सन्दर्भ व्याख्या/2 पारिभाषिक शब्द व्याख्या/एक प्रष्न)–इनमें से कोई एक पूछा जाये। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. कात्यायनश्रौतसूत्र – विद्याधर शर्मा, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली, 1990.
2. पारस्कर गृह्य सूत्र – सम्पा॰ हरिदत्त, भारतीय विद्या प्रकाषन, वाराणसी, 1970.

वेदाचार्य – समैस्टर - III
चतुर्थ प्रश्नपत्र : वेद तथा निबन्ध
(Ved tatha Nibandh)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A ऋग्वेदभाष्य भूमिका (दयानन्द) – सन्दर्भ व्याख्या
SECTION–B ऋग्वेदभाष्य भूमिका (दयानन्द) – सन्दर्भ व्याख्या, टिप्पणी, प्रष्न
SECTION–C बृहद्देवता (प्रथम अध्याय) – व्याख्या, प्रष्न
SECTION–D निबन्ध (वेद से संबंधित ग्रन्थों, मूल्यों, सूक्तियों आदि पर)

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 सन्दर्भों की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-II 2 सन्दर्भों की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 सन्दर्भों की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-IV (2 सन्दर्भ व्याख्या/2 पर टिप्पणी/एक प्रष्न)–इनमें से कोई एक पूछा जाये। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-VI 2 व्याख्या/एक प्रष्न – इनमें से कोई एक पूछा जाये। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII 2 वैदिक विषय देकर एक पर निबन्ध लिखने को कहा जाये। = 20 अंक
Question-VIII 2 वैदिक विषय देकर एक पर निबन्ध लिखने को कहा जाये। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. ऋग्वेदभाष्यभूमिका (दयानन्द) – सम्पा॰ स्वामी सम्पूर्णानन्द सरस्वती, सिद्धयोगपीठट्रस्ट, कुरुक्षेत्र, 2008.
2. बृहद्देवता – शौनक, सम्पा॰ रामकुमारराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1983.

वेदाचार्य – समैस्टर - IV

प्रथम प्रश्नपत्र : ब्राह्मण साहित्य

(Brahman Sahitya)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A शतपथ ब्राह्मण – (प्रथम काण्ड – अध्याय 5,6,7) – सन्दर्भ व्याख्या

SECTION–B शतपथ ब्राह्मण – (प्रथम काण्ड – अध्याय 5,6,7) – व्याख्या, पारिभाषिक शब्द, प्रष्न

SECTION–C शतपथ ब्राह्मण (प्रथम काण्ड – अध्याय 8,9) – सन्दर्भ व्याख्या

SECTION–D शतपथ ब्राह्मण (प्रथम काण्ड – अध्याय 8,9) – व्याख्या, पारिभाषिक शब्द, प्रष्न

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-II 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-IV (2 सन्दर्भ व्याख्या/2 पारिभाषिक शब्द व्याख्या/ एक प्रष्न)– इनमें से कोई एक पूछा जाये = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-VI 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII 2 सन्दर्भ देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। = 20 अंक

Question-VIII (2 सन्दर्भ व्याख्या/2 पारिभाषिक शब्द व्याख्या/ एक प्रष्न)– इनमें से कोई एक पूछा जाये = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. शतपथ ब्राह्मण – पंडित गंगाप्रसाद उपाध्याय, प्राचीन वैज्ञानिकाध्ययन, नई दिल्ली।

वेदाचार्य – समैस्टर - IV

द्वितीय प्रश्नपत्र : उपनिषद् तथा शिक्षा

(Upanishad tatha Shiksha)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A मुण्डकोपनिषद् (अध्याय 1,2)
SECTION–B केनोपनिषद् (अध्याय 1,2)
SECTION–C पाणिनीय षिक्षा
SECTION–D निर्धारित पाठ्यक्रम से प्रष्न

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-II 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-IV 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक
Question-VI 2 की सप्रसंग व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII प्रष्न। = 20 अंक
Question-VIII प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. मुण्डकोपनिषद् – शषि तिवारी, मेहरचन्दलछमणदास, दिल्ली।
2. केनोपनिषद् – यमुनाप्रसादत्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
3. पाणिनीय षिक्षा – सत्यप्रकाष दुबे, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, 2004.

वेदाचार्य – समैस्टर - IV

तृतीय प्रश्नपत्र : सूत्र साहित्य

(Sutra Sahitya)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A आष्वनलायन गृह्य सूत्र (प्रथम अध्याय) – सन्दर्भ व्याख्या

SECTION–B आष्वनलायन गृह्य सूत्र (प्रथम अध्याय) – व्याख्या, पारिभाषिक शब्द, प्रष्न।

SECTION–C आष्वनलायन गृह्य सूत्र (द्वितीय अध्याय) – सन्दर्भ व्याख्या

SECTION–D आष्वनलायन गृह्य सूत्र (द्वितीय अध्याय) – व्याख्या, पारिभाषिक शब्द, प्रष्न।

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I 2 सन्दर्भों की व्याख्या। = 20 अंक

Question-II 2 सन्दर्भों की व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III 2 सन्दर्भों की व्याख्या। = 20 अंक

Question-IV (2 सन्दर्भ व्याख्या/2 पारिभाषिक शब्द व्याख्या/एक प्रष्न)–इनमें से कोई एक पूछा जाये। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V 2 सन्दर्भों की व्याख्या। = 20 अंक

Question-VI 2 सन्दर्भों की व्याख्या। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII 2 सन्दर्भों की व्याख्या। = 20 अंक

Question-VIII (2 सन्दर्भ व्याख्या/2 पारिभाषिक शब्द व्याख्या/एक प्रष्न)–इनमें से कोई एक पूछा जाये। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. आष्वलायन गृह्य सूत्र

वेदाचार्य – समैस्टर - IV

चतुर्थ प्रश्नपत्र : वैदिक साहित्य का इतिहास

(Vaidik Sahitya Ka Itihas)

पूर्णांकः 100 **समयः तीन घण्टे**

परीक्षा का माध्यम संस्कृत है। प्रष्नपत्र भी संस्कृत में होगा।

Instructions for the Paper Setters:-

Eight questions of equal marks (Specified in the syllabus) are to be set, two in each of the four Sections (A-D). Questions may be subdivided into parts (not exceeding four). Candidates are required to attempt five questions, selecting at least one question from each Section. The fifth question may be attempted from any Section.

Syllabus

SECTION–A संहिता, ब्राह्मण – सामान्य परिचय

SECTION–B आरण्यक, उपनिषद् – सामान्य परिचय

SECTION–C वेदांग (षिक्षा, कल्प, व्याकरण छन्द) – सामान्य परिचय

SECTION–D वेदांग (निरुक्त, ज्योतिष), वैदिक देववाद – सामान्य परिचय

प्रश्नपत्र निर्माण निर्देश

SECTION–A

Question-I एक प्रष्न। = 20 अंक

Question-II एक प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–B

Question-III एक प्रष्न। = 20 अंक

Question-IV एक प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–C

Question-V एक प्रष्न। = 20 अंक

Question-VI एक प्रष्न। = 20 अंक

SECTION–D

Question-VII एक प्रष्न। = 20 अंक

Question-VIII एक प्रष्न। = 20 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ

1. वैदिकसाहित्येतिहास – जगदीषचन्द्रमिश्र, चौखम्बा प्रकाषन, वाराणसी।